PATLIPUTRA UNIVERSITY, PATNA

Syllabus of B.A. (Hons. & Subs.) Sociology

B.A.- I

प्रथम –पत्रः– समाजशास्त्र के सिद्धांत (Hons.)

1 समाजशास्त्र की प्रकृति और विषयक्षेत्र, अन्य सामाजिक विज्ञान से इनके सम्बन्ध – समाजशास्त्र का उत्थान तथा विकास।

2. सामाजिक समूह – (क) परिभाषा वर्गीकरण (ख) संदर्भ (Reference) समूह, मानवीय आचरण पर इसका प्रभाव।

3. सामाजिक व्यवस्था – प्रकार्य, अकार्य, प्रगट और अप्रगट प्रकार्य।

4. सामाजिक संरचना – अवधारणा, विशेषता एवं तत्व।

5. संस्कृति – परिभाषा, तत्व, सांस्कृतिक विलम्बना।

6. सामाजिक नियंत्रण – प्रकृति, अभिकरण तथा साधन।

7. परिवार – परिभाषा, प्रकार, आधुनिक परिवार के प्रकार्य और समस्याएं।

8. सामाजिक परिवर्तन – अवधारणा, प्रौद्योगिकी, सांस्कृतिक एवं जनसंख्यात्मक कारक, सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांत – विकासवादी (Evolutionary) चक्रीय (Cyclic) संघर्षवादी (Conflict) सिद्धांत।

9. सामाजिक स्तरीकरण (stratification)– अवधारणा, आधार,, जाति और वर्ग।

1. सामाजिक गतिशीलता (Mobility)– परिभाषा, प्रकार और सामाजिक गतिशीलता भारतीय समाज के संदर्भ में।

संदर्भ पुस्तकें –

1. समाजशास्त्र एक परिचय – मुजतफा हुसैन
2. समाजशास्त्र – सी . एन . शंकर राव
3 . समाजशास्त्र – परिमल . बी . कर
4 . समाजशास्त्र – जे . पी . सिंह
5. समाजशास्त्र – गोपी रमण सिंह

B. A. – PART- I (Hons)

द्वितीय–पत्र भारतीय समाज और संस्कृति

1 . समाज की रुपरेखा, संस्थायें, विवाह, वर्णाश्रम, संयुक्त परिवार, पुरुषार्थ, कर्म और संस्कार।

2 . भारतीय जाति–प्रणाली – विचारधारा, परिभाषा, विशेषता (Characteristic) जाति में परिवर्तन।

3 . मुस्लिम विवाह – विवाह के प्रकार महिलाओं की प्रस्थिति एवं तलाक।

4 . भारतीय समाज एवं संस्कृति पर इस्लाम और पश्चिमी सभ्यता का प्रभाव।

5 . ग्रामीण समुदाय – प्रकृति, विशेषता, ग्राम पंचायत – इसके अतीत, वर्तमान और भविष्य की रुपरेखा, पंचायती राज, उद्देश्य, संगठन और कार्य।

6 . भारतीय समाज में महिलाओ की प्रस्थिति एवं परिवर्तन के कारक।

संदर्भ पुस्तकें

1. मुखर्जी– भारतीय सामाजिक संस्थाएँ।
2. जी . के. अग्रवाल – भारतीय सामाजिक संस्थाएँ।
3. राम आहूजा – भारतीय समाज
4 राम गोपाल सिंह – भारतीय समाज

B. A. PART- I समाजशास्त्र (Sub.)

प्रथम– प्रत्र : – समाजशास्त्र के सिद्धांत

1. परिभाषा प्रकृति और विषय क्षेत्र – अन्य सामाजिक विज्ञान से संबंध।
2. सामाजिक संरचना – अर्थ, विशेषता औत तत्व।
3. सामाजिक समूह – अवधारणा, विशेषता और वर्गीकरण।
4. सामाजिक संगठन – अवधारणा, विशेषता, तत्व और सामाजिक सगठन और विद्य टन।
5. संस्कृति – अवधारणा, तत्व, संस्कृति और सभ्यता।
6. सामाजिक परिवर्तन – अवधारणा, विशेषता और कारक, जनसंख्यात्मक, तकनीकी, सांस्कृतिक।
7. परिवार – प्रकृति विशेषता, प्रकार्य एवं प्रकार; पारिवारिक बिखराव एवं आधुनिकीकरण।
8. सामाजिक प्रक्रिया – अवधारणा, विशेषता तथा वर्गीकरण।
9. सामाजिक नियंत्रण – प्रकृति, सामाजिक नियंत्रण की आवश्यकता एवं एजेन्सीज।

B - A - Part – II : समाजशास्त्र (Hons)

द्वितीय – पत्र : भारतीय सामाजिक संस्थाएँ

1 . भारतीय सामाजिक संस्थाएँ एक परिक्षण – विवाह वर्णाश्रम, संयुक्त परिवार ,पुरुषार्थ, कर्म एवं स्त्रियों का स्थान।

2. मुस्लिम परिवार – विवाह, मुस्लिम स्त्रियों की स्थति, तलाक।

3. भारतीय जाति-व्यवस्था –जाति-प्रथा, विशेषताएँ, जाति परिवर्तन, जाति एवं वर्ग।

4. पंचायती राज बिहार के विशेष सन्दर्भ में संगठन, कार्य एवं दबाव।

5. सामूहिक विकास – अर्थ, लक्ष्य प्राप्ति एवं आन्दोलन।

6 . सर्वोदय एवं भूदान – सामाजिक विचार एवं आन्दोलन।

7 . ग्रामीण समुदाय – अर्थ, स्वभाव, विशेषताएँ।

संदर्भ पुस्तकें – 1 . भारतीय सामाजिक संस्थाएँ – रवीन्द्रनाथ मुखर्जी।

2 . भारतीय सामाजिक संस्थाएँ – जी . के . अग्रवाल।

B - A – Part - II : समाजशास्त्र (Sub.)

द्वितीय – पत्र : सामान्य मानवशास्त्र

1. मानवशास्त्र कि प्रकृति एवं क्षेत्र इसकी एवं अन्य सामाजिक विज्ञान के साथ संबंध।

2. पूर्वपाषाण-काल एवं नवपाषाण-काल का पूर्व इतिहास एवं उनके सांस्कृतिक विकास।

3 . प्रजाति, प्रजातिवाद, विश्व प्रजाति का वर्गीकरण, भारत कि प्रजातीय रिती।

4. विवाह, परिवार एवं नातेदारी।

5. धर्म की उत्पति, परिभाषा एवं अर्थ, धर्म, जादू में अंतर।

6. आदिम अर्थव्यवस्था में बदलाव एवं विशेषताएँ।

7. टोटम एवं टोटमवाद कि विशेषता।

8. युवा (युवा संगठन) संरचना एवं विशेषता एवं प्रकार्य।

9. जनजातियों की समस्याएँ एवं जनजातीय सुरक्षा, प्रभाव, बिहार की जनजातियों पर औद्योगिकरण एवं नगरीकरण का प्रभाव।

संदर्भ पुस्तकें

1. सामाजिक मानवशास्त्र की रुपरेखा – रविन्द्रनाथ मुखर्जी
2. सामाजिक मानवशास्त्र एवं परिचय – मदन एवं मजुमदार
3 मानवशास्त्र – एम्वर एवं एम्वर

समाजशास्त्र (Hons)

तृतीय– पत्रः समाज मनोविज्ञान

1 . परिभाषा एवं क्षेत्र, अन्य समाज विज्ञानों से सम्बंध।

2. अनुप्रेरणा – धारणा, मानव व्यक्तित्व पर प्रभाव।

3 . समाजीकरण – धारणा, स्तर, एजेंसी, कुले एवं फ्रायड का सिद्धांत।

4 . अभिवृति – धारणा एवं बनावट, अभिवृति का निर्धारण एवं बदलाव।

5 . संस्कृति एवं व्यक्तित्व – धारणा एवं संबंध।

6 . नेतृत्व – धारणा, प्रकार, कार्य एवं प्रजातांत्रिक नेतृत्व के कार्य।

7. समूह – धारणा, प्रकार।

8. अफवाह – धारणा, प्रकार, परिभाषा एवं कला।

9. लोकविचार – धारणा निर्माण, माप एवं प्रजातंत्र का स्वरूप।

10 . समूह मन – विचार, विशेषताएँ, समूह मन के सिद्धांत एवं व्यवहार।

संदर्भ पुस्तकें

1. सामाजिक मनोविज्ञान – नगीना प्रसाद
2. समाजिक मनोविज्ञान – राम बालेश्वर सिंह

चतुर्थ – पत्रः सामाजिक शोध

1. सामाजिक शोध एवं सर्वेक्षण – धारणा, सामाजिक शोध एवं सामाजिक सर्वेक्षण में भिन्नताएँ।

2. वैज्ञानिक पद्धति – अर्थ एवं विशेषताएँ।

3. परिकल्पना – संकलन, प्रकार, सीमाएं, महत्व।

4. सामग्री की पद्धति – (i) अवलोकन, (ii) वैयक्तिक अध्ययन, (iii) साक्षात्कार प्रश्नावली एवं अनुसूची निदेशानुसार – धारणा, प्रबलता एवं विश्वसनीयता।

6. स्केल निर्माण – लिंकट, बोगाडर्स, समाज मिति (सोसिये मेट्री)।

7. शोध प्रारूप – अन्वेषणात्मक एवं वर्णात्मक शोध प्रारूप।

8. नारीवादी मेथडलॉजी।

संदर्भ पुस्तकें

1. सामाजिक अनुसंधान और सर्वेक्षण – रवीन्द्रनाथ मुखर्जी

2. सामाजिक अनुसंधान – ओम प्रकाश वर्मा

B.A. PART- III

SOCIOLOGY (HONS) PAPER V

(GROUP 'A')

पंचम पत्र– सामाजिक चिंतन – (पश्चिमी सामाजिक चिंतन)

1 . ऑगस्त काम्टे – (a) प्रत्यक्षवाद (b) तीन अवस्थाओ के नियम (c) सामाजिक पुनर्निर्माण।

2 . हर्बट स्पेंसर – (a) सामाजिक विकास (b) समाज का सावयवी सिद्धांत

4. मार्गन (L.H.Morgan) – संस्कृति, परिवार का विकास।

4. मैक्स वेवर – (a) आदर्श प्रारूप (b) धर्म का समाजशास्त्र (c) सामाजिक क्रिया का सिद्धांत

5. इमाईल दुर्खीम – (a) आत्माहत्या का सिद्धांत (b) श्रम का विभाजन (c) धर्म का सिद्धांत और आर्थिक फेसले।

6. कार्ल माकर्स – वर्ग संघ र्ा का सिद्धांत , प्रांतीय धातुवाद का इतिहास, मार्क्सवाद पर व्याख्या और आर्थिक फेसले।

7. विल्फ्रेड पेरेटो – तार्किक प्रयोगात्मक सिद्धांत, अभिजात्य वर्ग का संचालन, विशि ट एवं भ्रांत तर्क (विचलन) का सिद्धांत।

8. टालकॉट पारसन्स – सामाजिक क्रिया का सिद्धांत एवं सामाजिक व्यवस्था और सिद्धांत ।

4. मार्टन – प्रकार्यवाद।
4. एल. टी. हॉब्स – सामाजिक विकास।

(GROUP 'B')

4. राजाराम मोहनराय
4. विवेकानन्द
4. महात्मा गांधी– रामराज्य सर्वोदय, अहिंसा और सत्याग्रह।

4. पं0 दीनदयाल उपाध्याय – एकात्म मानववाद।

PAPER VI : ग्रामीण समाजशास्त्र

षष्ठम् पत्र

1. परिभाषा एवं विषय क्षेत्र

2. ग्रामीण समाज – विचार, लक्षण, ग्रामीण और शहरी समाज में अंतर

3. भारतीय जातिप्रथा – विचार, उत्पादन, कार्य, जाति प्रथा में परिवर्तन प्रभुजाति, पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव, अर्न्तजातीय सम्बंध, जजमानी प्रणाली।

4. ग्रामीण परिवार – परिभाषा, लक्षण, कार्य, समस्या, पारिवारिकता।

5. ग्रामीण शक्ति संरचना – गुण परंपरागत और परिवर्तन, ग्रामीण नेतृत्व के उभरते प्रतिमान।

6. ग्रामीण भारत में परिवर्तन – सामाजिक आर्थिक, राजनैतिक और धार्मिक, ग्रामीण, सामाजिक परिवर्तन में औद्योगिकरण की भूमिका।

7. ग्रामीण सामाजिक समस्याएँ – विवाह, ग्रामीण धर्म, ग्रामीण शिक्षा, नातेदारी।

8. ग्रामीण विकास कार्यक्रम – ग्रामीण पुनर्निर्माण, उद्देश्य, अभिकरण –समाज विकास योजनाएँ, सर्वोदय, बीस सूत्री कार्यक्रम, पंचायती राज।

संदर्भ पुस्तकें 1. ग्रामीण समाजशास्त्र – अग्रवाल एवं पाण्डेय

2. ग्रामीण समाजशास्त्र – आर. एन. मुखर्जी तथा गुप्ता एवं शर्मा।

PAPER VII : सामाजिक विघटन

सप्तम् पत्र

1. सामाजिक विघटन – प्रकृति, उद्देश्य, समाजशास्त्र के साथ संबंध।
2. हिंसा (Crime) – हिंसा के सिद्धांत, कारक, प्रकार, नियंत्रण करने की विधियां।
3. बाल अपराध – कारक, नियंत्रण के तरीके, बाल अपराध रोक थाम सम्बन्धी कानून।
4. सामाजिक विघटन – लक्षण, कारक, प्रकार, भारत में समाजिक विघटन के स्वरूप।
5. सामाजिक विघटन और सामाजिक समस्याओं के विभिन्न स्वरूप वेश्यावृति, भिक्षावृति, मद्यपान, गरीबी और बेरोजगारी।
6. सामाजिक व्याधियां – दहेज H.I.V. AIDS एवं कन्या भ्रूण हत्या।

संदर्भ पुस्तकें 1. सामाजिक विधटन – जी . के . अग्रवाल

2. सामाजिक विधटन – गुप्ता और शर्मा

PAPER – VIII

अष्टम् पत्र

निम्नलिखित में से कोई एक ग्रुप छात्र चयन कर सकते हैं –––

GROUP 'A': सामाजिक मानवशास्त्र

1. परिभाषा उद्देश्य तथा मानवशास्त्र की उपयोगिता।

2. प्रजाति और प्रजातिवाद कि अवधारणायें, उसका मुल्यांकन, भारत में प्रजाति तत्व का वर्गीकरण, जनसंख्या, प्रजाति और जनजाति।

3. (A) सामाजिक संगठन – परिवार, विवाह के प्रकार जनजातियों मे जीवन साथी चुनने कि प्रथा के प्रकार (B) नातेदारी का स्वरूप और उपयोग। (C) युवा संगठन – स्वरूप और कार्य।

4. आर्थिक संगठन – स्वरूप, लक्षण, विकास के मुख्य चरण।

5. जादू, धर्म और विज्ञान – स्वरूप, जादू के महत्व, जनजातियों में धर्म, जादू और धर्म में अंतर, जादू और विज्ञान में अंतर।

6. कानून, न्याय और सरकार – जनजाति कानून कि विशेषता सरल समाज में न्याय एवं सरकार कि प्रणाली।

7. मानव और उसकी संस्कृति – संस्कृति विकास के सिद्धांत, विकासावाद, प्रसारवाद।

8. भारत में जनजाति समस्या और कल्याण कार्य।

9. बिहार के जनजाति – संथाल, मुंडा, उराँव तथा उसके आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक एवं धार्मिक जीवन।

संदर्भ पुस्तकें

1. सामाजिक मानवशास्त्र कि रुपरेखा – आर. एन. मुखर्जी
2. सामाजिक मानवशास्त्र कि रुपरेखा – जी. के दृ अग्रवाल
3. बिहार के आदिवासी – डॉ. जियाउद्दीन अहमद

GROUP 'B' (Demography)

1. सामाजिक स्थिति की विवेचना और जनसंख्या, राजनीति, समाजशास्त्र और सामजिक विवेचना – (Demography), विषय वस्तु, जनसंख्या के अध्ययन, ऐतिहासिक स्वरूप में और सांस्कृतिक स्वरूप में।

2. सामाजिक – सांस्कृतिक सीमांत और अधिकतम जनसंख्या, डेमोग्राफिक विधि।

3. उपजाऊपन – उपज का आधारभूत माप, अलग – अलग प्रकार जाति सम्बन्धी धर्म, प्रजाति, अलगाव।

4. मृत्यु – मृत्यु के आधारभूत माप, मृत्यु कि माप, ग्रामीण और शहरी मृत्यु–दर, सामाजिक मृत्यु दर और मृत्यु दर में अन्तर।

5. देशांतरगमन (Migration)– देशान्तरगमन प्रकृति, सिद्धांत एवं मुख्य धारणाएँ, देशांतरगमन का जनसंख्यात्मक असर, सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक स्थिति पर इसके प्रभाव।

6. जनसंख्या के स्वरूप – जनसंख्या, भोजन, जमीन, आर्थिक साधन।

7. जनसंख्या के विशलेषण के तरीके – जीवन तालिका का निर्माण करना, दर को निर्धारित करना, सही मुल्यांकन, जनसंख्या कि वृद्धि निर्धारित करना, जनसंख्या नियोजन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम, जन स्वरूप में लैटिन अमेरिका में शोध और जनसंख्या नियंत्रण, चीन में जन्म दर पर नियन्त्रण कार्यक्रम, पूर्वी एशिया में चीन की आबादी।

GROUP 'C' : शहरी समाजशास्त्र

1 . परिभाषा, उद्देश्य, शहरी समाजशास्त्र के आधारभुत स्वरूप।

2. एतिहासिक स्वरूप – शहरों का विकास।

3. शहर की आधारभूत संरचना के रूप में – परिवार, धर्म।

4. शहरी विघटन – सामाजिक समस्याएँ, मैली–कुचेली गलियाँ।

5. शहरी योजना (City planning)।

6. शहरीकरण की विशेषतायें।

7. शहरीवातावरण – पड़ोसी समाज, ग्रामीण और शहरी पड़ोसी।

8. शहरीकरण का अध्ययन, विकसित देशों से शहरीकरण का भविष्य।

9. शहरी समाज – औघोगिकरण के पहले, औघोगिकरण के बाद।

10. आघुनिक शहरी – समाज और सामाजिक रचना के रूप में।

11. भारत में शहरीकरण – शहरीकरण का भारतीय ग्रामीण जीवन प्रभाव।

संदर्भ पुस्तकें

1. भारत में नगरीय समाजशास्त्र – डॉ, रामनाथ शर्मा

GROUP 'D' औद्योगिक समाजशास्त्र

1. औद्योगिक समाजशास्त्र – परिभाषा, उद्देश्य, उत्थान और विकास।
2. औद्योगिकरण और उद्योगवाद – औद्योगिकरण का प्रभाव।
3. भारत औद्योगिक श्रम – चरित्र और समस्याएँ एवं विधान।
4. नौकरी – संतोष, कारक और विभिन्न मत।
5. थकावट, एकरूपता।
6. औद्योगिक अनुपस्थिति।
7. कार्य कि परिभाषा – कार्य करने का वादा, कार्य और विश्राम।
8. दुर्धटना – परिभाषा, रोकथाम।
9. भारतीय औद्योगिक कामगारों कि सामाजिक स्थिति, भारतीय औद्योगिक कामगारों के लक्षण तथा उनके लिए कल्याणकारी योजनाएं।
10. सामाजिक सुरक्षा – भारत में सामाजिक सुरक्षा।
11. औद्योगिक सम्बंध – औद्योगिक विवाद, कारण, निदान।

संदर्भ पुस्तकें

1. औद्योगिक समाजशास्त्र – खरे
2. औद्योगिक समाजशास्त्र भारतीय परिवेश में – मुंशी